सत्यमेव जयते
Government of India

Media Scanning & Verification Cell

Media alert from the Media Scanning & Verification Cell, IDSP-NCDC.

Alert ID	Publication Date	Reporting Date	Place Name	News Source/Publication Language
5333	18.06.2019	18.06.2019	**Agra Uttar Pradesh**	Hindustan Hindi Newspaper 18th June, 2019/Page No. 16
Title:	**Three cases of scrub typhus in district Agra, Uttar Pradesh**			
Action By CSU, IDSP –NCDC	Information communicated to DSU-Agra, SSU-Uttar Pradesh			

आगरा में 'स्क्रब टाइफस' के तीन केस मिले

आगरा | मधु सिंह

डेंगू, स्वाइन फ्लू के बाद ताजनगरी में खतरनाक इंफेक्शन स्क्रब टाइफस की दस्तक से दहशत है। आगरा में इस बीमारी के तीन केस सामने आ चुके हैं। दो मरीजों का निजी अस्पताल में उपचार चल रहा है। जबकि एक के परिजन बाहर ले जा चुके हैं। स्वास्थ्य विभाग का कहना है कि विभाग में सिर्फ एक केस दर्ज है।

खेरिया मोड़ स्थित सार्थक नर्सिंग होम में गत दिवस बुखार, सिर दर्द, उल्टी के साथ शरीर पर चकत्ते बनने की शिकायत लेकर दो मरीज पहुंचे। नर्सिंग होम में उनकी पहले डेंगू, चिकनगुनिया की जांच कराई गई। रिपोर्ट नेगेटिव आने पर चिकित्सक ने केस स्टडी की छानबीन की तो पता चला कि दोनों मरीज आपस में बुआ-भतीजे हैं और उत्तराखंड के वन विभाग में कार्यरत हैं। उनकी तबियत पहले रुड़की में खराब हुई तो सामान्य बुखार का उपचार कराने के बाद दोनों एक शादी में शामिल होने आगरा आ गए। पूछताछ में पता चला कि दोनों मूल रूप से भरतपुर राजस्थान के रहने वाले हैं। नर्सिंग होम संचालक डा. देवकी को मरीजों के उत्तराखंड और राजस्थान से जुड़ाव की जानकारी मिली तो उनका माथा ठनका।

यह है बीमारी

- ये एक बेक्टीरियल इंफेक्शन है, जिसके लक्षण चिकनगुनिया जैसे होते हैं
- शुरूवात में तो यह बीमारी छह से 21 दिनों तक स्लिपिंग मोड में रहती है
- पिस्सुओं के काटने से बीमारी में डेंगू की तरह प्लेटलेट्स घटने लगती हैं
- इस बीमारी के चलते शरीर के कई अंगों में खतरनाक संक्रमण भी फैलता है

लक्षण

- तेज बुखार (102-103 डिग्री फारेनहाइट), सिरदर्द, खांसी, दर्द व कमजोरी
- पिस्सू काटने वाली जगह पर फफोलेनुमा काली पपड़ी जैसा निशान दिखता है
- मरीजों में पेट से शुरू खुजली या चकत्ते शरीर के अन्य अंगों तक फैलने लगते हैं
- रोग की गंभीरता के अनुरूप मरीज में प्लेटलेट्स की संख्या भी कम होने लगती

बचाव

- जहां पिस्सू बड़ी संख्या में मौजूद हों वहां न जाएं
- त्वचा-कपड़ों पर कीट भगाने वाली क्रीम का प्रयोग जरूर करें
- कपड़ों-बिस्तर पर परमेथ्रिन-बेंजिल बेंजोलेट का छिड़काव अवश्य करें
- त्वचा को सुरक्षित रखने के लिए माइट रिपेलेंट क्रीम लगाएं
- 15 दिन दवाओं का कोर्स लें, इस दौरान तला-भुना बंद व लिक्विड लें

Save Water- Save Life, Save a tree- Don't print unless it's really necessary!

Disclaimer:- This is a media alert subject to verification.

Integrated Disease Surveillance Programme (IDSP), National Centre for Disease Control,
Ministry Of Health & Family Welfare, Government of India
22-Sham Nath Marg, Delhi – 110 054

For more information please contact: Media Scanning & Verification Cell: - Phone (011)23946029
Email: - idsp-msc@nic.in, idsp-npo@nic.in

Join us on http://www.facebook.com/pages/Media-Scanning-Verification-Cell-IDSPNCDC/137297949672921

https://twitter.com/MSVC1

स्वच्छ भारत एक कदम स्वच्छता की ओर